



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 6, 2009/चैत्र 16, 1931

No. 205]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 6, 2009/CHAITRA 16, 1931

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2009

सा.का.नि. 238(अ).—केन्द्रीय सरकार पशुधन आयात अधिनियम 1898 (1898 का 9) की धारा 3, उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड-3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग) की अधिसूचना सा. का.नि. 522(अ) तारीख 24 जुलाई, 2002 के अधिक्रमण में, भारत में पशुओं के अश्व प्रजातियों के आयात को विनियमित करती है।

2. अश्वों के आयात को इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में दी गई प्रक्रिया के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

अनुसूची

1. पात्रता :—निम्नलिखित शर्तों के पूरा होने की दशा में ही अश्वों के आयात की अनुमति दी जाएगी, अर्थात् :—

(i) अश्व किसी ऐसे देश से आए,

(क) जो अफ्रीकी अश्व रोग से मुक्त हों;

(ख) जहां पिछले बीस मास के दौरान सांसर्गिक इक्वाइन मेट्रीटिस होने की सूचना प्राप्त नहीं हुई हो परन्तु, ऐसे देशों के पशुओं का (सात वर्ष का नर और पांच वर्ष की आयु की मादा) सम्मिलन नहीं करवाया गया हो, के आयात की अनुमति दी जाए;

(ii) संपूर्ण प्रजनक घोड़ों के मामले में; प्रजनन/पोलो/खेलों इत्यादि के लिए आयात की अनुज्ञा दी जाएगी;

(iii) निर्यात से पूर्व अश्वों को आवश्यक परीक्षण के लिए निर्यात-पूर्व संगरोध से गुजरना अपेक्षित है;

(iv) अश्वों का आयात केवल दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई और चेन्नई के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों या सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किसी अन्य हवाई अड्डों के द्वारा किया जाएगा तथा आयातक द्वारा संगरोध अधिकारियों को खेप पहुंचने के कम से कम पंद्रह दिनों पूर्व लिखित में सूचित किया जाएगा।

(v) प्रस्थान से पूर्व तीन सौ दिनों से अधिक की अवधि से गर्भस्थ पशुओं का आयात नहीं किया जाएगा।

2. **पहचान:** अश्वों के साथ वैध पासपोर्ट होना चाहिए अथवा जहां अश्व मूलतः पासपोर्ट जारी न करने वाले देश का है तो वहां निर्यातक देश के अधिकारिक पशुचिकित्सक द्वारा विधिवत अधिप्रमाणित पहचान पत्र के साथ संपूर्ण इतिवृत्त सहित होना चाहिए।

3. **पशुचिकित्सा प्रमाण पत्र:** अश्व के साथ निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार निर्यातक देश के अधिकारिक पशुचिकित्सक द्वारा जारी एक वैध स्वास्थ्य प्रमाण पत्र होना चाहिए:

भारत में अश्वों के आयात के लिए पशु स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

निर्यातक देश:

मंत्रालय:

विभाग:

प्रान्त या जिला इत्यादि:

1. पशु की पहचान

क) पशु का विवरण:

प्रजाति	नस्ल	नाम/ गोधना	लिंग	आयु/ तारीख/ जन्मवर्ष	रंग	पासपोर्ट लाइसेंस संख्या	साइर	डैम

ख) पशु का चित्र, चिह्न आदि

कृपया यह सुनिश्चित करें कि चित्र आदि लिखित विवरण एक जैसे हों।

2. पशु का मूल

निर्यातक का नाम और पता:

पशु के उद्भव का स्थान:

3. पशु का गन्तव्य स्थान

देश (गन्तव्य का नाम):

पार्षक का नाम और पता:

परिवहन के साधन की प्रकृति और पहचान:

4 स्वच्छता सूचना

अधोहस्ताक्षरी सरकारी पशुचिकित्सक यह प्रमाणित करता है कि उपरोक्त वर्णित पशु की आज जांच की गई;

(क) लड़ाई के दिन तक संक्रामक अथवा सांसर्गिक रोग का कोई रोग विषयक लक्षण या चिह्न प्रतीत नहीं होता।

(ख) यह निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करता है:-

(1) देश अफ्रीकी अश्व रोग से मुक्त है;

(2) निर्यात के ठीक पहले एक सौ अस्सी दिनों के दौरान, यह अश्व किसी ऐसे देश में नहीं गया है जहां निर्यात के ठीक दो वर्षों पहले तक अफ्रीकी अश्व रोग हुआ हो।

(3) देश में विगत बीस महीनों के दौरान कंटेजियस इक्वाइन मेड्रिटिस (सी ई एम) की सूचना नहीं मिली है तथा पिछले दो वर्षों के दौरान किसी भी सी ई एम संक्रमित या सी ई एम संक्रमण वाले देशों के मूल/वहां पाले गए/दौरा किया कोई पशु नहीं है लेकिन निर्यात किए जाने वाले पशु सात वर्ष से कम (नर के मामले में) पांच वर्षों से कम (मादा के मामले में) आयु के हैं, जिनका समागम नहीं कराया गया है तथा अश्व निर्यात के तत्काल पूर्व बारह महीनों के दौरान प्रजनन स्टॉक के संपर्क में नहीं है तथा अश्वों के प्रीप्यूस, यूरेथ्रा, वेजाइना, सर्विक्स, जो भी स्थिति हो, से लिए गए स्वाबों को निर्यात-पूर्व संगरोध के दौरान, सात दिनों में दो लगातार

स्टैंडर्ड कल्चर पद्धति से जांच करके पैथोजेनिक माइक्रो-आर्गेनिज्म, विशेषकर टाइलोरेला एक्विजेनितलिस के लिए निगेटिव पाया गया;

(4) जहाज में लदान से तीन महीने पूर्व अश्व को ऐसे स्थापन में रखा गया था, जहां इपीजूटिक लिफेंनजाइटिस, अल्सर्टिव लिम्फेंनजाइटिस, ट्राइपेन्सोमिएसिस, डूरीन, इक्वाइन पिरोप्लास्मोसिस, इक्वाइन रियोन्स्युमोनिटिस, इक्वाइन इन्सेफलोमाइलिटिस, इक्वाइन इन्फ्लूएंजा, इक्वाइन इन्फेक्शस एनीमिया, पोटोमेक हार्स फीवर, वेस्ट नील वायरस इन्फेक्शन तथा वेसीकुलर स्टेमेटिसिस सहित किसी प्रकार के संक्रामक या संसर्गी रोग नहीं था तथा ऐसे स्थापन के आस-पास ऐसे किसी रोगों की सूचना नहीं थी;

(5) निर्यात के पहले पशु को इक्वाइन इन्फ्लूएंजा (मृत) बाइवैलेंट का टीका लगाया गया है, तथा अंतिम टीका जहाज पर चढ़ाने के तीस दिनों के भीतर किन्तु चौदह दिन से पहले नहीं लगा होना चाहिए;

(6) निर्यात किए जा रहे अश्व को सरकार द्वारा अनुमोदित संगरोध केन्द्र में अकेले में रखा गया है और निम्नलिखित सारणी में विनिर्दिष्ट परीक्षणों के नकारात्मक परिणाम के अधीन है, अर्थात्

सारणी

रोग	रोग नैदानिक जांच	दशा
(1)	(2)	(3)
ग्लैण्डर्स	मलेईन/कम्प्लीमेंट फिक्शेसन परीक्षण (सी एफ टी)	लड़ाई के पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि के दौरान
डाउरिन	कम्प्लीमेंट फिक्शेसन परीक्षण (सी एफ टी)	लड़ाई के पूर्व पंद्रह दिनों
इक्वाइन इन्फेक्शस न्यूमोनिया (ई आई ए)	कॉगिंग्स (इक्यूनोडिफ्यूजन परीक्षण)	लड़ाई के पूर्व तीस दिनों की अवधि के दौरान
इन्फेक्शस इक्वाइन एबार्शन (सलमोनेला एबटर्स क्वि)	सेरम एग्लूटिनेशन परीक्षण (टिटर एक/तीन हजार से अधिक नहीं)	लड़ाई के पूर्व पंद्रह दिनों
इक्वाइन वायरल आरिटरिटिस (ई वी ए)	वायरस न्यूट्रलाइजेशन परीक्षण	लड़ाई के अट्ठाईस दिनों पूर्व की अवधि के दौरान नकारात्मक परिणाम के साथ कम से कम चौदह-चौदह दिनों में दो बार।
वेसीकुलर स्टेमेटिटिस	कम्प्लीमेंट फिक्शेसन परीक्षण (सी एफ टी/एन्जाइम-लिंकड इम्यूनोसोर्बेंट एसे (ई एल आई एस ए))	निर्यात पूर्व संगरोध के आरंभ होने से कम से कम इक्कीस दिनों बाद।
कंटेजियस इक्वाइन मेट्रिटिस (सी ई एम)	माइक्रो-आर्गेनिज्म का कल्चर	निर्यात पूर्व संगरोध अवधि के दौरान नकारात्मक परिणाम के साथ सप्ताह भर के अंतराल पर तीन लगातार जांच।
इक्वाइन पिरोप्लास्मोसिस (बवेसिया इक्वी तथा बवेसिया कवाल्ली)	कम्प्लीमेंटेशन फिक्शेसन परीक्षण (सी एफ टी)/इनडरेक्ट फ्लूरेसेन्ट एंटीबॉडी परीक्षण (आई एफ ए टी)	लड़ाई के तीस दिनों पूर्व की अवधि के दौरान

वेनेजुएलन इनसेफालोमाएलिटिस	इक्वाइन हेमेग्लूटिनेशन आई/कम्प्लीमें एफ टी)/प्लेग रिक्शन न्यूट्रलाइजेशन परीक्षण) (पी आर एन टी)	इनहिबीशन (एच फिक्शेसन परीक्षण (सी न्यूट्रलाइजेशन	निर्यात पूर्व संगरोध के आरंभ होने के बाद चौदह दिनों से कम नहीं।
-------------------------------	---	--	--

टिप्पण: ऐसे रोगों के लिए जिनके बारे में मुक्ति स्थिति प्रमाणित हो चुकी है, उनके मामले में कोई जांच आवश्यक नहीं है।

शासकीय मुद्रा

हस्ताक्षर.....

पशुचिकित्सक का नाम व पता:

.....

..... को..... जारी।

टिप्पणी: सिफारिश की जाती है कि प्रजनक पशुओं के लिए अलग प्रमाण पत्रों को तैयार किया जाए।

4. **आयात पूर्व संगरोध:** भारत में आयात के बाद, पशु को संगरोध के लिए सरकारी संगरोध केन्द्र पर कम से कम तीस दिनों के लिए रखा जाएगा। संगरोध अवधि के दौरान, पशु किसी भी प्रकार के रोग के लिए मानक कल्चर तथा सेरोलॉजिकल परीक्षण; जैसा आवश्यक हो, के अधीन होगा। संसर्गजन्य इक्वाइन मेट्रिटिस के मामले में, सात दिनों के अंतराल पर लिए गए लगातार तीन नमूनों को नकारात्मक होना चाहिए। किसी पशु को किसी विदेशी रोग में सकारात्मक पाए जाने की स्थिति में, उस पशु को उतारकर आयातक के खर्च पर उसके मूल देश को वापस भेज दिया/संगरोध केन्द्र पर नष्ट कर दिया जाएगा।

[फा. सं. 109-2/2009-ट्रेड]

अरविंद कौशल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE**(Department of Animal Husbandry, Dairying and Fisheries)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd April, 2009

G.S.R. 238(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898) and in supersession of the notification of the Government of India , Ministry of Agriculture (Department of Animal Husbandry, Dairying and Fisheries) vide G.S.R 522(E) dated 24th July, 2002, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), the Central Government hereby regulates the import of equine species of animals into India.

2. Import of equines shall be regulated in the manner laid down in the Schedule annexed to this notification.

SCHEDULE

1. ELIGIBILITY: - Import of equine shall be allowed only if the following conditions are satisfied, namely:-

- (i) the equine should come from a country,
 - (a) which is free from African Horse Sickness;
 - (b) where Contagious Equine Metritis has not been reported during the last twenty months but, animals from such countries (male up to seven years and female up to five years of age) which have never been mated, may be allowed to be imported;
- (ii) in case of Thoroughbred horses, import will be allowed for breeding/polo/games etc;
- (iii) prior to export the equines are required to undergo pre-export quarantine for necessary testing;
- (iv) the equine shall be imported only through the International airports of Delhi, Kolkata, Mumbai and Chennai or any other airport notified by the Government from time to time and the quarantine officers shall be informed by the importer in writing at least fifteen days prior to the arrival of the consignment;
- (v) the animals with more than three hundred days of pregnancy prior to departure are not to be imported.

2. IDENTIFICATION:- The equine must be accompanied with a valid passport or where the horse originates from countries not issuing a passport, the import must be accompanied by a complete history sheet with an identification certificate duly authenticated by an official veterinarian of the exporting country.

3. VETERINARY CERTIFICATE:- The equine must be accompanied by a valid health certificate issued by an official veterinarian of the exporting country in the following format:-

VETERINARY CERTIFICATE FOR IMPORT OF EQUINES INTO INDIA

Exporting country: _____

Ministry of: _____

Department: _____

Province or District, etc.: _____

I. Identification of the animal/s

a) Details of the animal:

Species	Breed	Name/ Tattoo	Sex	Age/ Date/Year of Birth	Color	Passport License No.	Sire	Dam

b) Diagram, marks and description of the animal:

Please ensure that the diagram and written description agree

II. Origin of the animal/s

Name and address of the exporter:

Place of origin of the animal/s:

III. Destination of the animal/s

Destination (name and address in full): -----

Name and address of consignee: _____

Nature and identification of means of transport: _____

IV. Sanitary information

The undersigned Official Veterinarian certifies that the animal described above and examined on this day:

- (a) shows no clinical sign or symptom of infectious or contagious diseases on the day of shipment;
- (b) satisfies the following requirements:-
 - (1) the country is free from the African Horse Sickness;
 - (2) during one hundred eighty days immediately prior to export, the equine under export has not visited any country where African Horse Sickness occurred in the past two years immediately preceding the export;
 - (3) either the contagious Equine Metritis (CEM) has not been reported during last twenty months in the country and the animal has not originated/reared in/visited any of the CEM infected countries during last two years or the country has reported CEM but the animal under export is less than seven years (in case of male) / less than five years (in case of female) of age which have never been mated and the equine has not been in contact with breeding stock during twelve months immediately prior to export. Swabs collected from prepuce, urethra, vagina and cervix, as the case may be, of the equine has been found negative for pathogenic micro-organisms, specifically *Taylorella equigenitalis*, by standard culture on two consecutive occasions at seven days interval during the pre-export quarantine;
 - (4) the equine was kept in an establishment for three months prior to shipment where no infectious or contagious disease, including Epizootic Lymphangitis, Ulcerative Lymphangitis, Trypanosomiasis, Dourine, Equine Piroplasmiasis, Equine Rhinopneumonitis, Equine Encephalomyelitis, Equine Influenza, Equine Infectious Anemia, Potomac Horse Fever, West Nile Virus infection and Vesicular Stomatitis was reported and no such diseases were reported around such establishment;
 - (5) the animal prior to export has been vaccinated with Equine Influenza (Killed) bivalent vaccine, and the last vaccination should be within thirty days but not less than fourteen days prior to embarkation;

- (6) the equine being exported has been kept in isolation in an approved Government quarantine station and subjected to the tests specified in the table below with negative results, namely:-

Table.

Disease	Diagnostic Test	Condition
(1)	(2)	(3)
Glanders	Mallein/Complement Fixation Test (CFT)	During fifteen days before shipment.
Dourine	Complement Fixation Test (CFT)	Fifteen days before shipment.
Equine Infectious Anaemia (EIA)	Coggins (Immunodiffusion Test)	During thirty days before shipment.
Infectious Equine Abortion (<i>Salmonella abortus equi</i>)	Serum Agglutination Test (titre not greater than one/three thousand)	During fifteen days before shipment.
Equine Viral Arteritis (EVA)	Virus Neutralisation Test	Two occasions at least fourteen days apart with negative result during twenty eight days prior to shipment.
Vesicular Stomatitis	Complement Fixation Test (CFT)/ Enzyme-linked immunosorbent assay (ELISA)	At least twenty one days after the commencement of pre-export quarantine.
Contagious Equine Metritis (CEM)	Culture of Micro-organisms	Three consecutive tests at weekly interval during pre-export quarantine period with negative results.
Equine Piroplasmiasis (<i>Babesia equi</i> and <i>Babesia caballi</i>)	Complement Fixation Test (CFT) / Indirect Fluorescent Antibody Test (IFAT)	During thirty days before shipment.
Venezuelan Equine Encephalomyelitis	Haemagglutination Inhibition (HI) / Complement Fixation Test (CFT) / Plaque Reduction Neutralisation Test (PRNT)	Not less than fourteen days after the commencement of pre-export quarantine.

N.B: No testing is necessary in respect of such diseases for which freedom status has been certified.

Official Stamp:

Signature: _____
Name and address of Veterinarian
Issued at _____ on _____

Note: - It is recommended that individual certificates be drawn up for breeding animals.

1340 42/09-2

4. **POST IMPORT QUARANTINE:** - After import into India, the animal shall be kept in quarantine for a minimum period of thirty days at the Government Quarantine Station. During the quarantine period, the animal shall be subject to standard culture and serological examination for any disease as deemed necessary. In case of Contagious Equine Metritis, three consecutive samples drawn at seven days interval should be tested negative. In the event of any animal being found positive for any exotic disease, the animal shall be deported back to the country of origin/destroyed at the quarantine station at the cost of the importer.

[F. No. 109-2/2009-Trade]

ARVIND KAUSHAL, Jt. Secy.